Vol 3 Issue 2 March 2013

ISSN No : 2230-7850

Monthly Multidisciplinary Research Journal

Indian Streams Research Journal

Executive Editor

Ashok Yakkaldevi

Editor-in-chief

H.N.Jagtap

Welcome to ISRJ

RNI MAHMUL/2011/38595 **ISSN No.2230-7850**

Indian Streams Research Journal is a multidisciplinary research journal, published monthly in English, Hindi & Marathi Language. All research papers submitted to the journal will be double - blind peer reviewed referred by members of the editorial Board readers will include investigator in universities, research institutes government and industry with research interest in the general subjects.

International Advisory Board

Flávio de São Pedro Filho
Federal University of Rondonia, Brazil

Kamani Perera
Regional Centre For Strategic Studies, Sri Lanka

Janaki Sinnasamy
Librarian, University of Malaya [Malaysia]

Romona Mihaila
Spiru Haret University, Romania

Delia Serbescu
Spiru Haret University, Bucharest, Romania

Anurag Misra
DBS College, Kanpur

Titus Pop

Mohammad Hailat
Dept. of Mathmatical Sciences, University of South Carolina Aiken, Aiken SC 29801

Abdullah Sabbagh
Engineering Studies, Sydney

Catalina Neculai
University of Coventry, UK

Ecaterina Patrascu
Spiru Haret University, Bucharest

Loredana Bosca
Spiru Haret University, Romania

Fabricio Moraes de Almeida
Federal University of Rondonia, Brazil

George - Calin SERITAN
Postdoctoral Researcher

Hasan Baktir
English Language and Literature Department, Kayseri

Ghayoor Abbas Chotana
Department of Chemistry, Lahore University of Management Sciences [PK]

Anna Maria Constantinovici
AL. I. Cuza University, Romania

Horia Patrascu
Spiru Haret University, Bucharest, Romania

Ilie Pintea,
Spiru Haret University, Romania

Xiaohua Yang
PhD, USA

Nawab Ali Khan
College of Business Administration

Editorial Board

Pratap Vyamktrao Naikwade
ASP College Devrukh,Ratnagiri,MS India

R. R. Patil
Head Geology Department Solapur University, Solapur

Rama Bhosale
Prin. and Jt. Director Higher Education, Panvel

Salve R. N.
Department of Sociology, Shivaji University, Kolhapur

Govind P. Shinde
Bharati Vidyapeeth School of Distance Education Center, Navi Mumbai

Chakane Sanjay Dnyaneshwar
Arts, Science & Commerce College, Indapur, Pune

Awadhesh Kumar Shirotriya
Secretary, Play India Play (Trust),Meerut

Iresh Swami
Ex - VC. Solapur University, Solapur

N.S. Dhaygude
Ex. Prin. Dayanand College, Solapur

Narendra Kadu
Jt. Director Higher Education, Pune

K. M. Bhandarkar
Praful Patel College of Education, Gondia

Sonal Singh
Vikram University, Ujjain

G. P. Patankar
S. D. M. Degree College, Honavar, Karnataka

Maj. S. Bakhtiar Choudhary
Director,Hyderabad AP India.

S.Parvathi Devi
Ph.D.-University of Allahabad

Sonal Singh

Rajendra Shendge
Director, B.C.U.D. Solapur University, Solapur

R. R. Yalikar
Director Managment Institute, Solapur

Umesh Rajderkar
Head Humanities & Social Science YCMOU, Nashik

S. R. Pandya
Head Education Dept. Mumbai University, Mumbai

Alka Darshan Shrivastava
Shaskiya Snatkottar Mahavidyalaya, Dhar

Rahul Shriram Sudke
Devi Ahilya Vishwavidyalaya, Indore

S.KANNAN
Ph.D , Annamalai University,TN

Satish Kumar Kalhotra

Address:-Ashok Yakkaldevi 258/34, Raviwar Peth, Solapur - 413 005 Maharashtra, India
Cell : 9595 359 435, Ph No: 02172372010 Email: ayisrj@yahoo.in Website: www.isrj.net

Indian Streams Research Journal
Volume 3, Issue. 2, March. 2013
ISSN:-2230-7850
Available online at www.isrj.net

ORIGINAL ARTICLE

'नारी पत्रिकाओ में नारी की स्थिति''
(गृहशोभा, गृहलक्ष्मी विशेष के संदर्भ में)

निधि सैनी

प्रवक्ता
हिन्दु गर्ल्ज़ कॉलेज, जगाधरी

सारांशः

हिन्दी कथा साहित्य में 'नारी चित्रण– स्वंततत्रचेतना से किया गया है। महिला पत्रिकाओं में, विशेषकर गृहशोभा–गृहलक्ष्मी में, नारी के विभिन्न रूपों का तथा उसकी स्थिति का पुखता स्वरूप हमें स्पष्ट दिखाई देता है। मध्ययुगीन स्त्री की छटपटाहट हो या फिर आधुनिकता के परिवेश में स्त्री अपने संस्कारों को संभालने में कहाँ तक सफल है, वह कहाँ तक मूल्यों को सुरक्षित रख पार ही है तथा क्या उसे संस्कारों की आड़ में मध्ययुगीन परिवेश की नारी की ही भाँति आज भी छटपटाते हुए जीवन जीना पड़ रहा है। ऐसे सूक्ष्म विषयों को महिला पत्रिकाऐं कहाँ तक छू पाई है, यह परखना मेरे शोध का विषय है। इन पत्रिकाओं के माध्यम से हम स्त्री के विभिन्न स्वरूपों को स्पष्ट रूप से देख पाते है।

प्रस्तावना :–

जब एक लड़की धरती पर जन्म लेती है, उसे अपनी इच्छानुसार कार्य करने के लिए 'हाँ' कम ही सुनने को मिलती है। ताउम्र वही इंकार की स्वर लहरी अपने कानों मे सुनती रहती है। 'नुपुर अग्रवाल' द्वारा रचित कहानी 'इंकार में' तारा बचपन से माँ–बाप, भाई के इंकार में धिरी अपने सपनों को छोड़ती विवाह बंधन में बंध जाती है। तमाम इंकारों में अपने लिए जगह तलाशती तारा अपने पति के घर आ जाती है। परन्तु विवाह के पश्चात् यदि तारा कुछ करने की इच्छा जताती तो उसे इंकार में एडजस्ट करने को कहा जाता। स्त्री कर्त्तव्य को निभाती तारा सम्पूर्ण समर्पण से ससुराल में रम गई। अन्तिम समय में बीमारी के कारण मृत्यु के निकट तारा ने अपने घर रहने की इच्छा जताई परन्तु वहाँ भी उसे इंकार मिला। उसे अस्पताल ले जाया गया जहाँ उसने अंतिम साँसे जी। कहीं कोई प्रताड़ना नहीं, कहीं कोई शोषण नहीं, फिर भी उसकी खुशियाँ, उसकी इच्छाएँ जिन्दगी भर उसे मिलने से इंकार करती रही। पर इच्छाओं पर टिकी तारा की जिन्दगी अपनी इच्छओं के लिए स्थान तलाशती हमें वर्तमान स्त्री की स्थिति से रूबरू कराती है।

एक स्त्री रिश्तों को जिस प्रकार सहेज कर रखती है उतना पुरूष समर्थ नहीं है। 'पूनम अहमद' द्वारा रचित कहानी 'स्नेह का रिश्ता' स्त्री के प्रेम, समर्पण और समझ को उजागर करती है। 'सुशांत के विवाह से पूर्व पूजा उससे छोटे भाई की तरह व्यवहार करती हैं परन्तु सुशांत के विवाह के पश्चात् पूजा अपने देवर सुशांत से कटि–कटि रहने लगी। सुशांत मन ही मन छटपटाता रहा, परेशान रहा और सोचता रहा ऐसा क्या हो गया भाभी को?क्यों वे गैरों सा व्यवहार करने लगी है। एक दिन सुशातं ने अपनी भाभी से पुछ ही लिया, तब पूजा ने सुशांत और उसकी पत्नी नेहा को पास बुला कर कहा कि यदि सुशांत पहले ही तरह हर काम के लिए भाभी–भाभी करोगे, तो तुम्हारी पत्नी को दुख होगा, क्योंकि लड़की अपने पति के दिल में अपना स्थान सर्वोपरि देखना चाहती है। वह किसी को उससे बाटँना नहीं चाहती। अब तुम्हारी हर बात में, हर काम में उसी का पहला स्थान हो तो वह खुश रहेगी। उसके हृदय में किसी प्रकार की आशांका और क्रोध जन्म नहीं लेगा। ये सब बातें सुनकर नेहा ने कहा कि भाभी आपका ओर सुशांत का रिश्ता सालों पुराना है। आपके मन में जो सुशांत के लिए स्नेह है वह कभी कम न हौने देना।'' इस प्रकार नेहा ने अपनी समझ का परिचय दिया और इस स्नेह के रिश्ते को समझा । एक स्त्री अपने देवर भाभी के संबंधों की गरिमा को कायम रख सकती है। देवर–भाभी के रिश्ते की मधुरता देवर–देवरानी के सम्बंधों के मजबूत धरातल पर टिकाकर सम्भालने में एक स्त्री ही सक्षम है।

'पुष्पा अग्रवाल' द्वारा रचित कहानी 'बड़ी भूल' आधुनिक ख्यालों में बंधी 'निर्मला' की है। जो अपनी पाश्चात्य सोच के कारण अपना सब कुछ गँवा देती है। 'निर्मला के लिए शादी का मतलब ऐशोआराम की जिन्दगी है। वह चाहती है उसका पति उसकी सुन्दरता की तारीफ करे, उसकी हर बात माने, उसे हर सुविधा दे। उसकी इसी सेच से परेशान होकर उसका पति हमेशा उसे ठुकरा देता है। उसकी मुलाकात संजय नामक युवक से होती है, जो शादीशुदा है, परन्तु निर्मला की सभी इच्छाओं को पूरा करता है। निर्मला पहले तो खुश रहती है परन्तु बाद में उसे अपने अकेलेपन का तथा दोराहे पर खडी अपनी जिन्दगी का एहसास होता[3]है।'' जब उसे अपनी इस गलती का एहसास होता है तब तक बहुत देर हो चुकी होती है। आधुनिक समाज में पाश्चात्य संस्कृति से जुड़कर भौतिकता की चकाचौंध में महिलाएँ अपने आने वालें भविष्य को दाँव पर लगाने को तैयार रहती है।

एक स्त्री जब तक बर्दाश्त करती है तब तक ये पुरूष प्रधान समाज उस पर जुल्म करता रहता है, परन्तु स्त्री की सहन करने की सीमा जब समाप्त हो जाती है, तो उसके पश्चात् पुरूष को अपनी सीमा का एहसास हो जाता है। इसी तथ्य को दर्शाती ''मजुलावत्स'' के रूप में उभर कर सामने आती है। ''अलका की शादी को अभी केवल तीन महीने हुए है परन्तु उसका पति कभी–कभी शराब के नशें में उस पर हाथ उठाता तो वह मुस्करा देती। उसकी इस मुस्कराहट का राज जब उसके पति को पता चला तो वह हैरान रह गया। अलका ने बताया कि उसकी एक सहेली उसे तंग किया करती थी। उसके पिता द्वारा दिया गया जन्मदिन का तोहफा जब उसकी सहेली ने कीचड़ में गिरा दिया तो अलका के बर्दाश्त की सीमा समाप्त हो गई और उसने अपनी सहेली की खूब पिटाई की। तब उसकी सहेली ने कहा कि वह तो मजाक कर रही थी। अलका ने अपने पति को बताया जब भी कोई उस पर जुल्म करता है, तो उसे अपनी सहेली की मज़ाक वाली बात याद आ जाती है और वह

Title : *''नारी पत्रिकाओ में नारी की स्थिति'' (गृहशोभा, गृहलक्ष्मी विशेष के संदर्भ में)*
Source:Indian Streams Research Journal [2230-7850] *निधि सैनी* **yr:2013 vol:3 iss:2**

DSpace™

मुस्कराने लगती है। अलका की यह बात सुनकर उसके पति की दोबारा कभी उस पर हाथ उठानपे की हिम्मत नहीं हुई''4 इससे स्पष्ट है कि शालीनता की सीमा पर आँच आने पर स्त्री की एक मुस्कराहट से पुरूष का वर्चस्व दाँव पर लग सकता है।

'सपना सिंह द्वारा रचित कहानी 'थप्पड़' एक ऐसी स्त्री की कहानी है जिसे 'अपने उस बेटे की करनी पर पछतावा होता है, जिसकी परवरिश पर कभी वा नाज़ किया करती थीं।'' उसके बेटे के विवाह को अभी दो महीने ही हुए थे कि बेटे और बहु में किसी बात को लेकर झगड़ा हो गया। बेटे के स्वर में क्रोध था और बहु का स्वर रक्षात्मक था परन्तु जब बहु ने प्रतिवाद के शब्द नुकीले किये, तो बेटे ने एक जोर का 'थप्पड़' बहु के मुँह पर लगा दिया। बाहर बैठी वह सब सुन रही थी। जब बेटा बाहर आया तो उसने अपने बेटे को बिना कुछ कहे क्रोध में एक थप्पड़ लगाया और अपने कमरे में जाकर पुरानी स्मृतियों में खो गई। उसे अपने पति के कटू व्यवहार तथा घरवालों का तिरस्कार याद आने लगा। आज वही सब उसका बेटा कर रहा था, जो कभी उसके पति ने उसके साथ किया। उसका अपने बेटे को थप्पड़ लगाना साफ दर्शा रहा था कि वह अपनी परवरिश से दुखी है तथा अपनी बहु की पीड़ा को समझती है। इस प्रकार एक नारी ही अन्य नारी के अस्तित्व को बनाए रखने में महत्त्वपूर्ण भुमिका निभाती है। एक स्त्री ही अन्य स्त्री की घुटन, छटपटाहट, उसके डर का निवारण कर सकने में सक्षम है।

अतः वर्तमान में स्त्री संस्कार व मुल्यों की चार दीवारी में घुटन महसुस कर रही है और इससे संघर्ष करती स्त्री अपने लिए जी पा रही है। अपनी शक्ति को पहचानती नारी आत्मविश्वास के धरातल पर खडी है। इन्हीं विषयों का चित्रांकन उक्त पत्रिकाओं के माध्यम से हुआ है। इन पत्रिकाओं में नारी के विभिन्न स्वरूप की झांकी मिलती है। जो समाज में नारी की स्थिति को रेखांकित करती है।

संदर्भ सूचि

1)गृहलक्ष्मी, इंकार(कहानी), पृष्ठ–52(जून–2013)
2)गृहशोभा, स्नेह का रिश्ता (कहानी), पृष्ठ–32(मई–2013)
3)गृहशोभा, बड़ी भूल(कहानी), पृष्ठ–90(मई –2013)
4)गृहशोभा, सीमा(कहानी), पृष्ठ–112(मई –2013)
5)गृहलक्ष्मी, थप्पड़(कहानी), पृष्ठ–78(जुलाई –2013)

Publish Research Article
International Level Multidisciplinary Research Journal
For All Subjects

Dear Sir/Mam,

We invite unpublished research paper.Summary of Research Project,Theses,Books and Books Review of publication,you will be pleased to know that our journals are

Associated and Indexed,India

- International Scientific Journal Consortium Scientific
- OPEN J-GATE

Associated and Indexed,USA

- Google Scholar
- EBSCO
- DOAJ
- Index Copernicus
- Publication Index
- Academic Journal Database
- Contemporary Research Index
- Academic Paper Databse
- Digital Journals Database
- Current Index to Scholarly Journals
- Elite Scientific Journal Archive
- Directory Of Academic Resources
- Scholar Journal Index
- Recent Science Index
- Scientific Resources Database

Indian Streams Research Journal
258/34 Raviwar Peth Solapur-413005,Maharashtra
Contact-9595359435
E-Mail-ayisrj@yahoo.in/ayisrj2011@gmail.com
Website : www.isrj.net